

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Midnapore, West Bengal



PROPOSED CURRICULUM & SYLLABUS (DRAFT) OF

BACHELOR OF ARTS WITH HINDI (MULTIDISCIPLINARY STUDIES)

3-YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMME
(w.e.f. Academic Year 2023-2024)

Based on

**Curriculum & Credit Framework for Undergraduate Programmes
(CCFUP), 2023 & NEP, 2020**

VIDYASAGAR UNIVERSITY
BACHELOR OF ARTS IN HUMANITIES with HINDI
(Under CCFUP, 2023)

Level	YR.	SEM	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	L-T-P	Marks				
								CA	ESE	TOTAL		
B.A. in Human - ities with Hindi	2 nd	III	SEMESTER-III									
			Major-A2	HINPMJ02	T: सम्पादन प्रक्रिया और साज – सज्जा (To be studied by students taken Hindi as Discipline- A)	4	3-1-0	15	60	75		
			Major-A3	HINPMJ03	P: मध्यकालीन हिन्दी कविता (To be studied by students taken Hindi as Discipline- A)	4	3-1-0	15	60	75		
			SEC	SEC03	To be taken from SEC-03 of Discipline C.	3	0-0-3	10	40	50		
			AEC	AEC03	Communicative English-2 (common for all programmes)	2	2-0-0	10	40	50		
			MDC	MDC03	Multidisciplinary Course-3 (to be chosen from the list)	3	3-0-0	10	40	50		
			Minor-3 (Disc.-C3)	HINMIN03	T: सम्पादन प्रक्रिया और साज – सज्जा (To be studied by students taken Hindi as Discipline- C)	4	3-1-0	15	60	75		
		Semester-III Total				20				375		
		IV	SEMESTER-IV									
			Major-B2		To be decided (Same as Major-A2 for Hindi taken as Discipline-B)	4	3-1-0	15	60	75		
			Major-B3		To be decided (Same as Major-A3 for Hindi taken as Discipline-B)	4	3-1-0	15	60	75		
			Major (Elective) -1	HINMJE-01	T: कबीर OR हिन्दी निबंध (To be studied by students taken Hindi as Discipline- A)	4	3-1-0	15	60	75		
			AEC	AEC04	MIL-2 (common for all programmes)	2	2-0-0	10	40	50		
			Minor -4 (Disc.-C4)	HINMIN04	T: छायावाद (To be studied by students taken Hindi as Discipline- C)	4	3-1-0	15	60	75		
			Summer Intern.	IA	Internship / Apprenticeship- activities to be decided by the Colleges following the guidelines to be given later	4	0-0-4	-	-	50		
		Semester-IV Total				22				400		
		TOTAL of YEAR-2				42	-	-	-	775		

MJP = Major Programme (Multidisciplinary), MI = Minor, A/B = Choice of Major Discipline; C= Choice of Minor Discipline; SEC = Skill Enhancement Course, AEC = Ability Enhancement Course, MDC = Multidisciplinary Course, CA= Continuous Assessment, ESE= End Semester Examination, T = Theory, P= Practical, L-T-P = Lecture-Tutorial-Practical, MIL = Modern Indian Language

VIDYASAGAR UNIVERSITY, PASCHIM MIDNAPORE, WEST BENGAL

MAJOR (MJ)

Major A2/B2: सम्पादन प्रक्रिया और साज – सज्जा

Credits 04 (Full Marks: 75)

MJA2/B2T: सम्पादन प्रक्रिया और साज – सज्जा

Credits 04

Course contents:

संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ,
समाचार विश्लेषण, संपादन-कला के सामान्य सिद्धांत ।

संपादक और उपसंपादक : योग्यता, दायित्व और महत्व ।

समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक-लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री
का मूल्यांकन और संपादन। संपादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका । प्रिंट मीडिया की
प्रयोजनपरक शब्दावली ।

संपादकीय लेखन : प्रमुख तत्व एवं प्रविधि। संपादकीय का सामाजिक प्रभाव ।

समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तंभों की योजना और उनका संपादन ।

साहित्य और कला जगत की सामग्री के संपादन की विशेषताएँ। छायाचित्र,

कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का संपादन ।

हिंदी के राष्ट्रीय और प्रांतीय समाचार पत्रों की भाषा, आंचलिक प्रभाव और

वर्तनी की समस्याएँ ।

साज-सज्जा और तैयारी : ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धांत। मुद्रण

के तरीके, दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ-निर्माण (डमी) पत्रिका की साज-

सज्जा, रंग-संयोजन ।

Course contents:

➤ कबीर : कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी:

- (क) माया महा ठगिनी हम जानी जाके हाथ विकानी ।
- (ख) मोको कहाँ ढूँढे बंदे , मैं तो तेरे पास में ।
- (ग) अरे इन दोउन राह न पाई कौन राह ह्वे जाई ।
- (घ) मन ना रँगाए , रँगाए जोगी कपड़ा ।
- (ङ) साधो देखो जग बौराना साधेइनमें कौन दिवाना ।

➤ सूरदास :

- (क) काहे को गोपीनाथ कहावत ?
- (ख) ऊधो मन नाहीं दस बीस ।
- (ग) ऊधो ! जहु तुम्हें हम जाने ।
- (घ) सँदेसो देवकी सों कहियो ।
- (ङ) काहे को रोकत मारम सूधो !

➤ तुलसीदास : विनयपत्रिका : तुलसीदास , गीताप्रेस गोरखपुर

- (क) ऐसी मूढ़ता या मन की ।
- (ख) जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे ।
- (ग) अबलों नसानी अब न नसैहों ।
- (घ) ऐसे को उदार जग माहीं ।
- (ङ) जाके प्रिय न राम बैदेही ।

➤ मीराबाई :

- (क) मैं बिरहिणि बैठी जागू जगत सब सोवै री आली ।
- (ख) मैं गिरधर रंगराती सैयां मैं गिरधर रंगराती ।
- (ग) चलो मन गंगा जमना तीर ।
- (घ) नहीं ऐसा जनम बारंबार ।
- (ङ) मेरे मन राग बसी ।

➤ बिहारी : बिहारी रत्नाकर : श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

- (क) कनक कनक ते सौ गुनी , मादकता अधिकाय ।
- (ख) कौन भाँति रहि है बिरदु , देखिनी मुरारि ।
- (ग) लिखत बैठी जाकी सबिहिं , गहि गहि गरब गरूर ।
- (घ) इक भीजै बहललै परे बूड़े बहे हजार ।
- (ङ) आड़े दै आले बसन , जाड़े हूँ की रीति ।

➤ घनानंद : घनानंद कवित्त : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

- (क) क्यों हँसि हेरि हम्यौ हियरा अरु क्यों हित कै चित चाह बढ़ाई ।
- (ख) पहिले अपनाय सुजान स्नेह सों, क्यों फिर तेह कै तोरियै जू ।

- (ग) भोर ते साँझ लौं कानन ओर, निहारति बावरी नेकु न हारति ।
(घ) झलकै अति सुंदर आनन गौर, छके दृग राजत कानिन छवै ।
(ङ) मीत सुजान अनीत करो जिन, हाहा न हूजियै मोहि अमोही ।

❖ सहायक ग्रंथ :

1. कबीर - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. सूरदास - रामचंद्र शुक्ल
3. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पाण्डेय
4. गोस्वामी तुलसीदास - रामचंद्र शुक्ल
5. कबीर - सं. विजेन्द्र स्नातक
6. सूर और उनका साहित्य - हरवंशलाल शर्मा
7. सूरदास - ब्रजशेखर वर्मा
8. तुलसी-काव्य-मीमांसा - सं. उदयभानु सिंह
9. बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10. मध्यकालीन हिन्दी काव्य- भाषा - रामस्वरूप चतुर्वेदी

Course contents:

➤ साखी :

- (क) सतगुर सवान को सगा.....,
- (ख) चौसठ दीवा जोड़ करि,
- (ग) माया दीपक नर पतंग.....
- (घ) सतगुर हम सुन रीझ करि.....
- (ङ) कबीर बादल प्रेम का.....
- (च) कबीर सुमिरन सार है.....
- (छ) चकवी बिछुटी रैण की
- (ज) बिरहा बिरहा जिन कहौ.....
- (झ) सुखिया सब संसार है.....
- (ञ) जब मई था तब हरि नहीं.....
- (ट) कबीर कुता राम का.....
- (ठ) पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा
- (ड) ऐसी बानी बोलिए माँ का आपा खोय
- (ढ) हम घर जलया आफना , लिया मुराड़ा हाथ.....
- (ण) कबीर यह घर प्रेम का, खाला का घर नाहि.....

➤ पद :

- (क) दुलहनी गावहु मंगलचार.....
- (ख) एक अचंभा देखा रे भाई.....
- (ग) सनतौ भाई आई ग्यान की आँधी.....
- (घ) पांडे कवन कुमति तोहि लागी.....
- (ङ) हम न मरे मरिहै संसारा.....
- (च) ऐसा भेद बिगूचन भारी.....
- (छ) काहे रे नलिनी तूँ कुम्हीलानी, तेरे ही नालि सरोवर पानी.....
- (ज) अवधू गगन मण्डल घर कीजै
- (झ) हरि जननी मै बालक तेरा.....
- (ञ) मैं गुलाम मोहि बेच गुसाई.....
- (ट) अकथ कहानी प्रेम की, कछु कही न जाई.....
- (ठ) संत धोखा कासूँ कहिए.....
- (ड) अब न बसूँ इहि गाँव गुसाई.....
- (ढ) झूठा लोग कहै घर मेरा.....
- (ण) लोका मति के भोरा रे.....

➤ **सहायक ग्रंथ :**

1. कबीर - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. कबीर – सं. विजेन्द्र स्नातक
3. कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत
4. अकथ कहानी प्रेम की -- पुरुषोत्तम अग्रवाल
5. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी

OR

Major Elective (MJE)-01: हिन्दी निबंध

Credits 04 (Full Marks: 75)

MJE-01T: हिन्दी निबंध

Credits 04

Course contents:

- | | |
|--------------------------|--------------------------------------|
| (क) बालकृष्ण भट्ट | - साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है |
| (ख) चंद्रधर शर्मा गुलेरी | - कछुआ धरम |
| (ग) रामचंद्र शुक्ल | - कविता क्या है |
| (घ) हजारीप्रसाद द्विवेदी | - अशोक के फूल |
| (ङ) महादेवी वर्मा | - जीने की कला |
| (च) रामधारी सिंह 'दिनकर' | - भारत की सांस्कृतिक एकता |
| (छ) हरिशंकर परसाई | - पगडंडियों का जमाना |
| (ज) विद्यानिवास मिश्र | - अस्ति की पुकार हिमालय |
| (झ) निर्मल वर्मा | - अतीत : एक आत्म-मंथन |
| (ञ) कुबेरनाथ राय | - एक महाकाव्य का जन्म |

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. छायावादोत्तर हिन्दी गद्य का साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
3. निबंधों की दुनिया – विजयदेव नारायण साही, प्र. सं. निर्मला जैन, सं. हरिमोहन शर्मा
4. हिन्दी निबंध और निबंधकार – रामचंद्र तिवारी
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – डॉ रामचंद्र तिवारी
6. रामचंद्र शुक्ल – मलयज
7. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध साहित्य में व्यंग्य – उषा शर्मा

MINOR (MI)

(To be studied by students taken Hindi as Discipline- C)

MI-3/C3: Same as Minor-3 (HINMI03) of Hindi (Hons) programme

Credits 04

Full Marks: 75

MI-4/C4: Same as Minor-4 (HINMI04) of Hindi (Hons) programme

Credits 04

Full Marks: 75

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

(To be studied by students taken Hindi as Discipline- C)

SEC-03 P: Same as SEC-03 (HINSEC03) of Hindi (Hons) programme

Credits 03

Full Marks: 50